



पुर्णा International School
Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Grade - VI

Sanskrit

Specimen

Copy

Year- 2021-22

अनुक्रमणिका

| NO | TITLE | PAGE-NO |
|-------------|---------------|---------|
| तृतीयःपाठः | शब्दपरिचय-III | 3 |
| चतुर्थःपाठः | विद्यालय | 7 |



तृतीयः पाठः शब्दपरिचय- III

➤ कठिन शब्दार्थाः

- एतत् - यह
- तत् - वह
- किम् - क्या
- अत्र - यहाँ
- एते - ये दो
- कुत्र - कहाँ

- स्तः - हैं
- एतानि - ये सब
- कानि - क्या
- तानि - वे
- सन्ति - हैं

➤ शब्दार्थाः

- खनित्रम् - कुदाल
- श्रमिका - मज़दूरनी
- भित्तिकम् - दीवार
- सुवर्णकारः - सोनार

- रेलस्थानकं - रेल्वे स्टेशन
- करवस्त्राणि - रुमाल
- पोषकानि - पौष्टिक
- कदलीफलानि - केले

अभ्यासः

➤ वाचन-कार्य

प्र-1(क)- उच्चारणं कुरुत-

- फलम्
- द्वारम्
- सूत्रम्
- गृहम्
- छत्रम्
- पात्रम्
- कमलम्
- भवनम्
- पुष्पम्

➤ रचनात्मक-कार्यम्

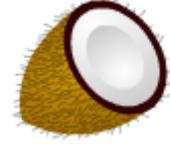
(ख) चित्राणि दृष्ट्वा पदानि उच्चारयत।



पर्णम्



क्रीडनकम्



नारिकेलम्



सङ्गणकम्



वातायनम्



सोपानम्



उद्यानम्



उपनेत्रम्



कङ्कतम्

➤ व्याकरण

प-2-(क) वर्णसंयोजनं कृत्वा पदं कोष्ठके लिखत-

- 1-प् + अ + र् + ण् + अ + म् =
- 2-ख् + अ + न् + इ + त् + र् + अ + म् =
- 3-प् + उ + र् + आ + ण् + आ + न् + इ =
- 4-प् + ओ + ष् + अ + क् + आ + ण् + इ =
- 5-क् + अ + इ + क् + अ + त् + अ + म् =

| |
|----------|
| पर्णम् |
| खनित्रम् |
| पुराणानि |
| पोषकाणि |
| कङ्कतम् |

(ख) अधोलिखितानां पदानां वर्णविच्छेदं कुरुत-

- 1-व्यजनम् = व् + य् + अ + ज् + अ + न् + अ + म्
- 2-पुस्तकम् = प् + उ + स् + त् + अ + क् + अ + म्
- 3-भित्तिकम् = भ् + इ + त् + त् + इ + क् + अ + म्
- 4-नूतनानि = न् + ऊ + त् + अ + न् + आ + न् + इ

5- वातायनम् = व् + आ + त् + आ + य् + अ + न् + अ + म्

6- उपनेत्रम् = उ + प् + अ + न + ए + त् + र् + अ + म्

प्र-3-चित्राणि दृष्ट्वा संस्कृतपदानि लिखत-



आम्रम्



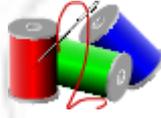
पर्णम्



व्यजनम्



करवस्त्राणि



सूत्रम्



छत्रम्

प्र-4-चित्रं दृष्ट्वा उत्तरं लिखत-

किं पतति?

फलम् पतति।



1-मयूरौ किं कुरुतः।

मयूरौ नृत्यतः।



2- एते के स्तः?

एते क्रीडनके स्तः।



3- बालिका: किं कुर्वन्ति?

बालिका: पठन्ति।



4- कानि विकसन्ति?

पुष्पाणि विकसन्ति।



प्र-5-निर्देशानुसारं वाक्यानि रचयत -

- | | | |
|-------------------------------|---|-----------------------------|
| यथा-एतत् पतति। (बहुवचने) | - | एतानि पतन्ति। |
| (क) एते पर्णे स्तः। (बहुवचने) | - | <u>एतानि पर्णानि सन्ति।</u> |
| (ख) मयूरः नृत्यति। (बहुवचने) | - | <u>मयूराः नृत्यन्ति।</u> |
| (ग) एतानि यानानि। (द्विवचने) | - | <u>एते यानम्।</u> |
| (घ) छात्रे लिखतः। (बहुवचने) | - | <u>छात्राः लिखन्ति।</u> |
| (ङ) नारिकेलं पतति। (द्विवचने) | - | <u>नारिकेले पततः</u> |

प्र-6-उचितपदानि संयोज्य वाक्यानि रचयत-

- कोकिले - कूजतः
- पवनः - वहति
- पुष्पम - विकसति
- खगः - उत्पतति
- मयूराः - नृत्यन्ति
- सिंहा - गर्जन्ति

➤ प्रवृत्ति

संस्कृत में पञ्च पक्षीण नामानि लिखत-

चतुर्थः पाठः विद्यालय

➤ कठिन शब्दार्थाः

- | | | | |
|-----------|----------|-----------|------------|
| • एष | - यह | • वयम् | - हमसब |
| • अत्र | - यहाँ | • कुत्र | - कहाँ |
| • एतानि | - ये | • अपि | - भी |
| • असमाकम् | - हमारे | • तवः | - तुम्हारा |
| • यूयम् | - तुम सब | • अत्र एव | - यहाँही |

➤ शब्दार्थाः

- | | |
|----------------|-------------|
| • सङ्गणकयन्त्र | - कम्प्यूटर |
| • कुरुथः | - करते हो |
| • रचयावः | - बनातेहैं |
| • इदानीम् | - अब |
| • उद्यानम् | - बगीचा |

अभ्यासः

➤ वाचन-कार्य

प्र-1 उच्चारणं कुरुत ।

| | | |
|--------|--------|-----------|
| अहम् | आवाम् | वयम् |
| माम् | आवाम् | अस्मान् |
| मम् | आवयोः | अस्माकम् |
| त्वम् | युवाम् | यूयम् |
| त्वाम् | युवाम् | युष्मान् |
| तव | युवयोः | युष्माकम् |

➤ व्याकरण

प्र-2-संयोजकानि संयोजकानि संयोजकानि -

| | | | | |
|------------------------|---|------------|---|---------------|
| यथा - अहं पठामि। | - | (बहुवचने) | - | वयं पठामः। |
| (क) अहं नृत्यामि। | - | (बहुवचने) | - | वयं नृत्यामः। |
| (ख) त्वं पठसि। | - | (बहुवचने) | - | यूयं पठथ। |
| (ग) युवां क्रीडथः। | - | (एकवचने) | - | त्वं क्रीडसि। |
| (घ) आवां गच्छावः। | - | (बहुवचने) | - | वयं गच्छामः। |
| (ङ) अस्माकं पुस्तकानि। | - | (एकवचने) | - | मम पुस्तकम्। |
| (च) तव गृहम्। | - | (द्विवचने) | - | युवयोः गृहे। |

प्र-3-कोष्ठकात् उचितं शब्दं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत-

- (क) अहं पठामि। (वयम्/अहम्)
(ख) युवां गच्छथः। (युवाम्/यूयम्)
(ग) एततमम पुस्तकम्। (माम्/मम्)
(घ) युष्माकं क्रीडनकानि। (युष्मान्/युष्माकम्)
(ङ) आवां छात्रे स्वः। (वयम्/आवाम्)
(च) एषा तव लेखनी। (तव/त्वाम्)

प्र-4 क्रियापदैः वाक्यानि पूरयत-

पठसि धावामः गच्छावः क्रीडथः लिखामि पश्यथ

- क. त्वं पठसि।
ख. आवां गच्छावः।
ग. यूयं पश्यथ।

घ. अहं लिखामि।

ङ. युवां क्रीडथः।

च. वयं धावामः।

प्र-5-उचितपदैः वाक्यनिर्माणं कुरुत-

| | | | | | |
|----|----|-------|--------|----------|-----------|
| मम | तव | आवयोः | युवयोः | अस्माकम् | युष्माकम् |
|----|----|-------|--------|----------|-----------|

क. एतत् मम गृहम्

ख. आवयोः मैत्री दृढा।

ग. एषः तव विद्यालयः।

घ. एषा युवयोः अद्यापिका।

ङ. भारतम् अस्माकं देशः।

च. एतानि युष्माकं पुस्तकानि।

प्र-6-एकवचनपदस्य बहुवचनपदं, बहुवचनपदस्य एकवचनपदं च लिखत-

| | | |
|--------------|---|-----------|
| यथा- एषः | - | एते |
| (क) सः | - | ते |
| (ख) ताः | - | सा |
| (ग) एताः | - | एषा |
| (घ) त्वम् | - | यूयम् |
| (ङ) अस्माकम् | - | मम |
| (च) तव | - | युष्माकम् |
| (छ) एतानि | - | एतत् |

प्र-7-(क) वार्तालापे रिक्तस्थानानि पूरयत-

प्रियंवदा - शकुन्तले! त्वं किं करोषि?

शकुन्तला - प्रियंवदे! अहं नृत्यामि, त्वं किं करोषि?

प्रियंवदा - शकुन्तले! अहं गायामि। किं त्वं न गायसि?

शकुन्तला – प्रियंवदे! अहं न गायामि। अहं तु नृत्यामि।

प्रियंवदा – शकुन्तले! किं तव माता नृत्यति।

शकुन्तला – आम्, मम माता अपि नृत्याति।

(ख) उपयुक्तेन अर्थेन सह योजयत-

| | |
|----------|------------------|
| सा | वह (स्त्रीलिङ्ग) |
| तानि | वे (नपुंसकलिङ्ग) |
| अस्माकम् | हमारा |
| यूयम् | तुम सब |
| आवाम् | तुम दोनों |
| मम | मेरा |
| युवयोः | तुम दोनों का |
| तव | तुम्हारा |

➤ प्रवृत्ति

संस्कृत में विद्यालय के बारे में पञ्च वाक्य लिखत नामानि लिखत-

पु.ना.